

Dr. Namrata Dhaka honored with IYBF

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune

Date: 04-09-2024

FELLOWSHIP FOR CUH TEACHER



Mahendragarh: Dr Namrata Dhaka, Assistant Professor, Department of Biotechnology, School of Interdisciplinary and Applied Sciences, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, has been awarded the Har Gobind Khorana Innovative Young Biotechnologist Fellowship (IYBF) for 2023-24. The CUH Vice-Chancellor, Prof Tankeshwar Kumar, congratulated the faculty member on her achievement. Dr Namrata Dhaka is one of the nine faculty members selected across the country for the fellowship given by the Department of Biotechnology (DBT), Government of India. She has received the fellowship for her work in the field of Brassica juncea and Sorghum bicolor seed development.

Haryana Tribune

Wed, 04 September
<https://epaper.ti>



हकेवि शिक्षक नम्रता ढाका आईवाईबीएफ से सम्मानित

महेंद्रगढ़, 2 सितंबर (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नम्रता ढाका को वर्ष 2023-24 के लिए प्रतिष्ठित हर-गोबिंद खुराना इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट फेलोशिप (आईवाईबीएफ) से सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. नम्रता ढाका को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। डॉ. नम्रता ढाका जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली इस प्रतिस्पर्धी फेलोशिप के लिए देशभर से चयनित नौ संकाय सदस्यों में से एक हैं। डॉ. ढाका को यह फेलोशिप ब्रैसिका जंसिया (सरसों) और सोरघम बाइकलर (ज्वार) बीज विकास के क्षेत्र में उनके काम के लिए मिली है। यह फेलोशिप जैव



महेंद्रगढ़ में आईवाईबीएफ सम्मान प्राप्त करने के बाद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से भेंट करती डॉ. नम्रता ढाका। -हप्र

प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में कार्यरत अभिनव विचारों वाले उत्कृष्ट युवा वैज्ञानिकों को दी जाती है। फेलोशिप में एक शोध अनुदान और तीन साल की अवधि के लिए हर साल दी जाने वाली नकद फेलोशिप शामिल है।

आईवाईबीएफ के अलावा, उन्हें पहले डीएसटी इंस्पायर एवं एस.ई.आर.बी. सी.आर.जी. जैसे प्रतिष्ठित परियोजना के लिए

अनुदान प्राप्त हो चुका है। उनकी प्रयोगशाला बीज के आकार और पोषण के निर्धारण में शामिल जीन को समझने पर कार्य कर रही है। उन्हें यह प्रोजेक्ट सोरघम के बीजों में आयरन और जिंक की मात्रा और अन्य गुणों को बढ़ाने पर काम करने के लिए दिया गया था। उनकी टीम में पीएचडी छात्र और प्रोजेक्ट छात्र पिंकी, गरिमा, अनीशा और प्राची शामिल हैं।



Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj

Date: 03-09-2024

हकेवि शिक्षक डॉ. नम्रता ढाका आईवाईबीएफ से सम्मानित



महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नम्रता ढाका को वर्ष 2023-24 के लिए प्रतिष्ठित हर-गोबिंद खुराना इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट फेलोशिप (आईवाईबीएफ) से सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. नम्रता ढाका को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। डॉ. नम्रता ढाका जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली इस प्रतिस्पर्धी फेलोशिप के लिए देश भर से चयनित नौ संकाय सदस्यों में से एक हैं। डॉ. ढाका को यह फेलोशिप ब्रैसिका जंसिया (सरसों) और सोरघम बाइकलर (ज्वार) बीज विकास के क्षेत्र में उनके काम के लिए मिली है। यह फेलोशिप जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में कार्यरत अभिनव विचारों वाले उत्कृष्ट युवा वैज्ञानिकों को दी जाती है। फेलोशिप में एक शोध अनुदान और तीन साल की अवधि के लिए हर साल दी जाने वाली नकद फेलोशिप शामिल है। आईवाईबीएफ के अलावा, उन्हें पहले डीएसटी इंस्पायर एवं एस.ई.आर.बी.सी.आर.जी. जैसे प्रतिष्ठित परियोजना के लिए अनुदान प्राप्त हो चुका है। उनकी प्रयोगशाला बीज के आकार और पोषण के निर्धारण में शामिल जीन को समझने पर कार्य कर रही है। उन्हें यह प्रोजेक्ट सोरघम के बीजों में आयरन और जिंक की मात्रा और अन्य गुणों को बढ़ाने पर काम करने के लिए दिया गया था। उनकी टीम में पीएचडी छात्र और प्रोजेक्ट छात्र पिंकी, गरिमा, अनीशा और प्राची शामिल हैं। उनके शोध कार्य का विवरण 3352://2312.इंजी.इंजी/प्री.ए/ल्लेप30'री.इंजी.2' पर उपलब्ध है।

हकेंवि की डॉ. नम्रता ढाका आईवाईबीएफ से सम्मानित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नम्रता ढाका को वर्ष 2023-24 के लिए हर-गोविंद खुराना इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट (आईवाईबीएफ) से सम्मानित किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. नम्रता ढाका को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। डॉ. नम्रता ढाका जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली इस प्रतिस्पर्धी फेलोशिप के लिए देश भर से चयनित नौ वैज्ञानिकों में से एक हैं।

डॉ. ढाका को यह फेलोशिप त्रैसिका जर्सिया (सरसों) और सोरघम बाइकलर (ज्वार) बीज विकास के क्षेत्र में उनके काम के लिए मिली है। यह फेलोशिप जैव

प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में कार्यरत अभिनव विचारों वाले उत्कृष्ट युवा वैज्ञानिकों को दी जाती है।

फेलोशिप में एक शोध अनुदान और तीन साल की अवधि के लिए हर साल दी जाने वाली नकद फेलोशिप शामिल है। आईवाईबीएफ के अलावा, उन्हें पहले डीएसटी इंस्पायर एवं एसईआरबीसीआरजी जैसे प्रतिष्ठित परियोजना के लिए अनुदान प्राप्त हो चुका है।

उनकी प्रयोगशाला बीज के आकार और पोषण के निर्धारण में शामिल जीन को समझने पर कार्य कर रही हैं। उन्हें यह प्रोजेक्ट सोरघम के बीजों में आयरन और जिंक की मात्रा और अन्य गुणों को बढ़ाने पर काम करने के लिए दिया गया था। उनकी टीम में पीएचडी छात्र और प्रोजेक्ट छात्र पिंकी, गरिमा, अनीशा और प्राची शामिल हैं।



आईवाईबीएफ सम्मान प्राप्त करने के बाद कुलपति से भेंट करतीं डॉ. नम्रता ढाका। साथ में कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार। स्रोत : हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar

Date: 03-09-2024

केंद्रीय विवि की शिक्षक डॉ. नम्रता ढाका आईवाईबीएफ से सम्मानित



महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नम्रता ढाका को वर्ष 2023-24 के लिए प्रतिष्ठित हर-गोबिंद खुराना इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. नम्रता ढाका को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। डॉ. नम्रता जैव प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार की ओर से दी जाने वाली इस प्रतिस्पर्धी फेलोशिप के लिए देश भर से चयनित नौ संकाय सदस्यों में से एक हैं। डॉ. ढाका को यह फेलोशिप ब्रैसिका जंसिया और सोरघम बाइकलर बीज विकास के क्षेत्र में उनके काम के लिए मिली है। आईवाईबीएफ के अलावा, उन्हें पहले डीएसटी इंस्पायर एवं एस.ई.आर.बी. सी.आर.जी. जैसे प्रतिष्ठित परियोजना के लिए अनुदान प्राप्त हो चुका है। उनकी प्रयोगशाला बीज के आकार और पोषण के निर्धारण में शामिल जीन को समझने पर कार्य कर रही है। उन्हें यह प्रोजेक्ट सोरघम के बीजों में आयरन और जिंक की मात्रा और अन्य गुणों को बढ़ाने पर काम करने के लिए दिया गया था। उनकी टीम में पीएचडी छात्र और प्रोजेक्ट छात्र पिंकी, गरिमा, अनीशा और प्राची शामिल हैं।

हकेवि शिक्षक डॉ. नम्रता ढाका आईवाईबीएफ से सम्मानित

चेतना ब्यूरो।

महेन्द्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय
विश्वविद्यालय (हकेवि),
महेन्द्रगढ़ के स्कूल ऑफ
इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड

भारत सरकार द्वारा दी जाने
वाली इस प्रतिस्पर्धी फेलोशिप
के लिए देश भर से चयनित नौ
संकाय सदस्यों में से एक हैं।
डॉ. ढाका को यह फेलोशिप
ब्रैसिका जंसिया (सरसों) और



सो र घा म
बाइक लर
(ज्वार) बीज
विकास के क्षेत्र
में उनके काम के
लिए मिली है।

साइंसेज के जैव प्रौद्योगिकी
विभाग की सहायक आचार्य डॉ.
नम्रता ढाका को वर्ष 2023-24
के लिए प्रतिष्ठित हर-गोबिंद
खुराना इनोवेटिव यंग
बायोटेक्नोलॉजिस्ट फेलोशिप
(आईवाईबीएफ) से सम्मानित
किया गया है। विश्वविद्यालय के
कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने
डॉ. नम्रता ढाका को उनकी इस
उपलब्धि के लिए बधाई दी।

डॉ. नम्रता ढाका जैव
प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी),

यह फेलोशिप जैव प्रौद्योगिकी
के क्षेत्रों में कार्यरत अभिनव
विचारों वाले उत्कृष्ट युवा
वैज्ञानिकों को दी जाती है।
फेलोशिप में एक शोध अनुदान
और तीन साल की अवधि के
लिए हर साल दी जाने वाली
नकद फेलोशिप शामिल है।
आईवाईबीएफ के अलावा, उन्हें
पहले डीएसटी इंस्पायर एवं
एस.ई.आर.बी. सी.आर.जी.
जैसे प्रतिष्ठित परियोजना के
लिए अनुदान प्राप्त हो चुका है।

शिक्षक डा. नम्रता ढाका को किया आइवाइबीएफ से सम्मानित

संवाद सहयोगी, जागरण. महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकैवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सहायक आचार्य डा. नम्रता ढाका को वर्ष 2023-24 के लिए प्रतिष्ठित हर-गोबिंद खुराना इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट फेलोशिप (आइवाइबीएफ) से सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

डा. नम्रता ढाका जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली इस प्रतिस्पर्धी फेलोशिप के लिए देश भर से चयनित नौ संकाय सदस्यों में से एक हैं। डा. ढाका को यह फेलोशिप ब्रैसिका जंसिया (सरसों) और सोरघम बाइकलर (ज्वार) बीज विकास के क्षेत्र में उनके काम के लिए मिली है। यह फेलोशिप जैव



सम्मान प्राप्त करने के बाद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से भेंट करती डा. नम्रता ढाका ● सौजन्य: हकैवि

प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में कार्यरत अभिनव विचारों वाले उत्कृष्ट युवा वैज्ञानिकों को दी जाती है। आइवाइबीएफ के अलावा, उन्हें पहले डीएसटी इंस्पायर एवं एसईआरबीसीआरजी जैसे प्रतिष्ठित परियोजना के लिए अनुदान प्राप्त हो चुका है। प्रयोगशाला बीज के पोषण के निर्धारण में शामिल जीन को समझने पर कार्य कर रही हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling

Date: 03-09-2024

CUH Faculty Member Dr. Namrata Dhaka honored with IYBF

September 02, 2024 07:01 PM



Mahendergarh, 02.09.24-Dr. Namrata Dhaka, Assistant Professor, Department of Biotechnology, School of Interdisciplinary and Applied Sciences, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has been awarded the prestigious

Har-Gobind Khorana Innovative Young Biotechnologist Fellowship (IYBF) for the year 2023-24. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University congratulated Dr. Dhaka for her achievement, and encouraged her to progress further.

Dr. Namrata Dhaka is one of the nine faculties selected across India for this highly competitive fellowship given by the Department of Biotechnology (DBT), Government of India. This fellowship is given to outstanding young scientists with innovative ideas working in the frontier areas of Biotechnology. The fellowship consists of a research grant and a cash fellowship awarded every year for a period of three years Dr. Dhaka expressed her gratitude to CUH for providing excellent research facilities which enabled her to secure this fellowship. She also thanked DBT for recognizing her potential and providing this opportunity.

Dr. Dhaka has received this fellowship for her work in the field of Brassica juncea and Sorghum bicolor seed development. Apart from IYBF, she has received prestigious project grants like DST INSPIRE and SERB CRG in the past. Her lab works on understanding the genes involved in the determination of seed size and nutritional content. She was awarded this project to work on enhancing the iron and zinc content and other qualities of sorghum seeds. Her dedicated team comprises of PhD students and Project students Pinky, Garima, Anisha, and Prachi. The details of her research work are available on <https://sites.google.com/view/namratadhakaseedomicslab>

+ डॉ.नम्रता को आईवाईबीएफ ने किया सम्मानित

महेंद्रगढ़, 2 सितम्बर (मोहन,परमजीत) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नम्रता ढाका को वर्ष 2023-24



के लिए प्रतिष्ठित हर-गोबिंद खुराना इ नोवेटिव यंग बायो टेक्नोलॉजिस्ट फेलोशिप (आईवाई बीएफ) से सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.

कुलपति टंकेश्वर कुमार से भेंट करतीं डॉ.नम्रता ढाका।

टंकेश्वर कुमार ने डॉ. नम्रता ढाका को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। डॉ. नम्रता ढाका जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली इस प्रतिस्पर्धी फेलोशिप के लिए देश भर से चयनित नौ संकाय सदस्यों में से एक हैं।

डॉ. ढाका को यह फेलोशिप त्रैसिका जंसिया (सरसों) और सोरघम बाइकलर (ज्वार) बीज विकास के क्षेत्र में उनके काम के लिए मिली है। यह फेलोशिप जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में कार्यरत अभिनव विचारों वाले उत्कृष्ट युवा वैज्ञानिकों को दी जाती है। फेलोशिप में एक शोध अनुदान और तीन साल की अवधि के लिए हर साल दी जाने वाली नकद फेलोशिप शामिल है। आईवाईबीएफ के अलावा, उन्हें पहले डीएसटी इंस्पायर एवं एस.ई.आर.बी.सी.आर.जी. जैसे प्रतिष्ठित परियोजना के लिए अनुदान प्राप्त हो चुका है। उनकी प्रयोगशाला बीज के आकार और पोषण के निर्धारण में शामिल जीन को समझने पर कार्य कर रही हैं। उन्हें यह प्रोजेक्ट सोरघम के बीजों में आयरन और जिंक की मात्रा और अन्य गुणों को बढ़ाने पर काम करने के लिए दिया गया था। उनकी टीम में पीएचडी छात्र और प्रोजेक्ट छात्र पिंकी, गरिमा, अनीशा और प्राची शामिल हैं।

